

## कला स्नातक

(बीएजी)

सत्रीय—कार्य 2021-2022

बीएएनसी 131 : मानवविज्ञान और अनुसंधान विधियां



सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदानगढ़ी, नई दिल्ली—110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम संदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अनुशिक्षक चिह्नित सत्रीय काय (टी.एम.ए.) करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में बीएएनसी-131 मानवविज्ञान और अनुसंधान विधियां नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत अधिभार है।

**सत्रीय कार्य-I** में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

**सत्रीय कार्य-II** में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

**सत्रीय कार्य-III** में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम संदर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर

किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द—सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम संदर्भिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगे।

### **पूर्ण किए गए असाइनमेंट को जमा करना:**

| सत्र       | जमा करने की अंतिम<br>तिथि | जमा करने का स्थान                   |
|------------|---------------------------|-------------------------------------|
| जुलाई 2021 | 30 अप्रैल 2021            | अपने अध्ययन केंद्र के<br>समन्वयक को |
| जनवरी 2022 | 31 अक्टूबर 2022           |                                     |

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेंगे :

- 1) योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

**2) संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विष्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विषेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिष्चित कर लें कि :

- क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;
- ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा
- ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

**3) प्रस्तुतिकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रब्लॉम के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ—साफ और अपनी हस्तालिपि में लिखना अनिवार्य है। जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवध्य सुनिष्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द—सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ ,

मानवविज्ञान संकाय  
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, नई दिल्ली

## **BANC-131: मानविज्ञान और अनुसंधान विधियां**

(अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय कार्य)

**कोर्स कोड: BANC-131**

**सत्रीय कार्य कोड : BANC 131/ASST/TMA/2021-2022**

**कुल अंक: 100**

सत्रीय—कार्य में तीन अनुभाग हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

### **सत्रीय—कार्य – I**

निम्नलिखित में प्रत्येक के उत्तर 500 शब्दों में दें।

- |   |    |
|---|----|
| 1. मानविज्ञान और इसकी विभिन्न शाखाओं को परिभाषित करें।          | 20 |
| 2. मानविज्ञान में क्षेत्रकार्य(फील्डवर्क) परंपरा का वर्णन करें। | 20 |

### **सत्रीय—कार्य – II**

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

- |   |    |
|---|----|
| 3. संबद्ध क्षेत्रों के साथ जैविक मानविज्ञान के संबंधों की चर्चा करें। | 10 |
| 4. पुरातत्व मानविज्ञान के विकास की व्याख्या करें।                     | 10 |
| 5. केस स्टडी (व्यैक्तिक अध्ययन) विधि पर टिप्पणी लिखें।                | 10 |

### **सत्रीय—कार्य – III**

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर 125 शब्दों में दीजिए।

- |   |   |
|---|---|
| 6. नृवंशविज्ञान(एथनोग्राफिक) दृष्टिकोण पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। | 5 |
| 7. एमिक और एटिक दृष्टिकोण क्या है ?                                   | 5 |
| 8. मानवमिति (एंथ्रोपोमेट्री)  | 5 |
| 9. उत्थनन   | 5 |
| 10. भारत में सामाजिक मानविज्ञान के मूल्यांकन चरण पर नोट लिखें।        | 5 |
| 11. सांस्कृतिक सापेक्षवाद   | 5 |